संशोधित पाठ्यक्रम (आनुपातिक रूप से कम करके)
सत्र : 2020–21 हेतु

बी.ए. प्रथम वर्ष : विषय – नृत्य (भरत नाट्यम)

सैद्धांतिक (विस्तृत पाठ्यक्रम)
प्रथम प्रश्न पत्र
शीर्षक – नृत्य का इतिहास एवं सामान्य अध्ययन

1.	**नृत्य का इतिहास**	–	सिंधु सभ्यता, वैदिक काल में नृत्य की स्थिति।
2.	**पुराणों के आधार पर**	–	उमाशकर एवं नटवर श्री कृष्ण की नृत्य संबंधी कथायें – त्रिपुरडाह, मोहिनी–भस्मासुर, माखन लीला, कालिया दमन, ।
3.	**नृत्य का अन्य ललित कलाओं से संबंध**	–	चित्रकला एवं मूर्तिकला से संबंध।
4.	**नाट्य की उत्पत्ति कथा**	–	भारत के नाट्यशास्त्र के प्रथम अध्याय में वर्णित।
5.	**लोकधर्मी नाट्य परंपरा**	–	निम्न की संक्षिप्त जानकारी – 1. रामलीला 2. भवाई

सैद्धांतिक (विस्तृत पाठ्यक्रम)
द्वितीय प्रश्न पत्र
शीर्षक – शास्त्रीय नृत्य सिद्धान्त

1.	**ताल की प्रांरभिक जानकारी**	–	लय – विलंबित, मध्य एवं द्रुत लय।
2.	**संक्षिप्त जीवन परिचय**	–	आचार्य नंदिकेश्वर।
3.	**नृत्य के अभ्यास से शारीरिक एवं मानसिक लाभ।**		
4.	**भारतीय नाट्य परंपरा में गुरूवंदना का महत्व।**		
5.	**छत्तीसगढ़ी नृत्यों का सामान्य परिचय**	–	1. करमा 2. सुआ

<u>प्रायोगिक</u>

1. मौखिक मुद्रा प्रदर्शन	–	(अभिनय दर्पण के अनुसार) (1) शिवस्तुति (2) शिरोभेद (3) ग्रीवाभेद (4) दृष्टिभेद (5) असंयुक्त हस्त (6) संयुक्त हस्त
2. कार्यक्रम विभाग	–	(1) शारीरिक अभ्यास (2) आरंभिक –05 अड़ऊ भेद (पद + हस्त संचालन तीन काल में)